GHS YELLODU HINDI PASSING PACKAGE NOTES

1. भारत माँ के प्रकृति-सौंदर्य का वर्णन कीजिए ।

उत्तर : भारत माँ के यहाँ हरे-भरे खेत , फल-फूलों से युत वन-उपवन तथा खनिजों का व्यापक धन है।
इस प्रकार प्राकृतिक सौंदर्य ने सबको मोह लिया है ।

2. मातृभूमि का स्वरूप कैसे सुशोभित है ?

उत्तर : मातृभूमि अमरों की जननी है। उसके हृदय में गांधी, बुद्ध और राम समायित हैं। माँ के एक हाथ में न्याय पताका तथा दूसरे हाथ में ज्ञान दीप है। इस प्रकार मातृभूमि का स्वरूप सुशोभित है ।

3. आजकल शिक्षित समाज में किसके बारे में विचार किया जाता है ?

उत्तर : आजकल शिक्षित समाज में विटामिन और प्रोटीन के शब्दों के बारे में विचार किया जाता है।

4. दूकानदार ने लेखक से क्या कहा ?

उत्तर : दूकानदार ने लेखक से कहा- बाबूजी, बड़े मज़ेदार सेब आये हैं, खास कश्मीर के। आप ले जाएँ, खाकर तबीयत खुश हो जायेगी।

5. दूकानदार ने अपने नौकर से क्या कहा ?

उत्तर : दूकानदार ने अपने नौकर से कहा- सुनो, आधा सेर कश्मीरी सेब निकाल ला। चुनकर लाना।

6. 'प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन' – इस पंक्ति का आशय समझाइए ।

उत्तर : इस पंक्ति का आशय है कि आज के मानव ने प्रकृति के हर तत्व पर (आकाश, पाताल तथा धरती) विजय प्राप्त कर ली है। अर्थात प्रकृति को अपने नियंत्रण में रखा है ।

7. दिनकर जी के अनुसार मानव का सही परिचय क्या है ?

उत्तर : दिनकर जी के अनुसार जो मानव आपस में भाई-चारा बढ़ाये तथा दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोड़कर आपस की दूरी को मिटाए वही सच्चा ज्ञानी, विदवान एवं मानव कहलाने अधिकारी है ।

8. अभिनव मनुष्य कविता का दूसरा कौन-सा शीर्षक हो सकता है ? क्यों ?

उत्तर :- इस कविता का दूसरा शीर्षक हो सकता है – 'प्रकृति पुरुष'। क्योंकि मनुष्य ने लगभग प्रकृति के हर तत्व पर अपने प्रयासों से विजय प्राप्त कर ली है ।

9. इंटरनेट का मतलब क्या है ?

उत्तर : इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का, एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है। जिसकी वजह से पूरे विश्व का विस्तार एक गाँव का-सा छोटा हो गया है।

10. व्यापार और बैंकिंग में इंटरनेट से क्या मदद मिलती है ?

उत्तर : इंटरनेट द्वारा घर बैठे-बैठे खरिदारी कर सकतेह हैं। कोई भी बिल भर सकते हैं। इससे दुकान जाने और लाइन में घंटों खड़े रहने का समय बच सकता है। इंटरनेट -बैंकिंग द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है।

11. ई-गवर्नेन्स क्या है ?

उत्तर : ई-गवर्नेन्स द्वारा सरकार के सभी कामकाज का विवरण, अभिलेख, सरकारी आदेश आदि को यथावत् लोगों को सूचित किया जाता है। इससे प्रशासन पारदर्शी बन सकता है।

12. मनुष्य के लिए सुख की प्राप्ती कब संभव है ?

उत्तर : सुसमय पर मन लगाकर जिस कार्य को करना है उस कार्य को पूर्ण करने से मनुष्य के लिए सुख की प्राप्ती संभव है।

13. समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए ?

उत्तर : आलस को छोड़कर, सुसमय पर मन लगाकर जिस कार्य को करना है उस कार्य को पूर्ण करना ही समय का सदुपयोग करना है।

14. कृष्ण बलराम के साथ खेलने क्यों नहीं जाना चाहता?

उत्तर : बालकृष्ण अपनी माता से शिकायत करता है कि - दाऊ भैया मुझे बहुत चिढ़ाता है। वह कहता है कि तुम्हें यशोदा माँ ने जन्म नहीं दिया है बल्कि मोल लिया है। इसी गुस्से के कारण उसके साथ मैं खेलने नहीं जाना चाहता।

15. बलराम कृष्ण के माता-पिता के बारे में क्या कहता है?

उत्तर : बलराम कृष्ण से बार-बार पूछता है कि तुम्हारे माता-पिता कौन हैं ? वह कहता है कि नंद और यशोदा तो गोरे हैं, लेकिन तुम क्यों काले हो? इस प्रकार बलराम कृष्ण से कहता है।

16. कृष्ण अपनी माता यशोदा के प्रति क्यों नाराज़ है?

उत्तर : कृष्ण अपनी माता यशोदा से इसलिए नाराज़ है कि वह केवल कृष्ण को ही मारती है और बड़े भाई बलराम पर गुस्सा तक नहीं करती।

17. यशोदा कृष्ण के क्रोध को कैसे शांत करती है?

उत्तर : यशोदा कृष्ण के क्रोध को शांत करने के लिए इस प्रकार कहती है - "हे कृष्ण ! सुनो । बलराम जन्म से ही चुगलखोर है। मैं गोधन की कसम खाकर कहती हूँ, मैं ही तेरी माता हूँ और तुम मेरे पुत्र हो।"

18. कलेक्टर साहब ने बच्चों की बढ़ाई में क्या कहा?

उत्तर : कलेक्टर साहब ने बच्चों की बढ़ाई में यह कहा कि- "इन बच्चों ने मिलकर गाँव को स्वच्छ वातावरण दिया है। बाल-शक्ति के कारण आपका गाँव आदर्श गाँव बन गया है।"

PREPARED BY : RAJKUMAR SIR
rkkarnatakahindi.blogspot.com

19. गाँव को आदर्श गाँव कैसे बनाया जा सकता है?

उत्तर : स्कूल के परिसर को स्वच्छ रखना, रोज़ एक घंटा गाँव की सफाई करना, गाँव के गड्डों को मिट्टी से ढाँपना, कूड़ा डालने के लिए जगह का चयन करके गाँव के लोगों को वहीं पर कूड़ा डालने के लिए कहना, गाँव को हरा-भरा रखना तथा अपने घरों के आस-पास भी फलदार पेड़ लगाना आदि प्रकार के कार्यों से गाँव को आदर्श बनाया जा सकता है।

20. कर्नाटक के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

उत्तर : कर्नाटक की प्राकृतिक सौंदर्य नयन मनोहर है। पश्चिम में विशाल अरब्बी समुद्र लहराता है। इसी प्रांत में दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिमी घाट कहते हैं। इन्हीं घाटों का कुछ भाग सह्याद्रि कहलाता है। दक्षिण में नीलगिरी की पर्वतावलियाँ शोभायमान हैं।

21. बसंत ईमानदार लड़का है। कैसे?

उत्तर : बसंत मुफ्त के पैसे को भीख समझता था। इसलिए वह राजकिशोर से मुफ्त में पैसे लेने से इनकार करता है। छलनी खरीदने के बाद राजकिशोर ने एक रुपये का नोट बसंत को दिया। बसंत उस नोट को भुनाने के लिए बाज़ार की ओर गया। लेकिन वापस आते समय मोटर दुर्घटना से उसके दोनो पैर कुचले गये। इस लिए वह राजकिशोर के पास न लौट सका। जब उसे होश आया तो उसने तुरंत अपने भाई प्रताप को पैसे लौटाने के लिए राजकिशोर के यहाँ भेजा। इस घटना से हमे लगता है कि बसंत ईमानदार भी है और स्वाभिमानी भी।

22. राजकिशोर के मानवीय व्यहार का परिचय दीजिए।

उत्तर : पं. राजकिशोर ने बसंत की याचना सुनकर उसे मुफ्त में दो पैसे देने के लिए तैय्यार होते हैं। जब उस बालक के द्वारा मना करने पर उसकी छलनी खरीद लेते हैं। मोटर दुर्घटना की खबर सुनते ही डॉक्टर को बुलाकर बसंत के घर जाते हैं और उसका उपचार करवाते हैं। इसतरह गरीब बालक के प्रति हमदर्दी दिखाते हुए आदर के साथ मानवीय व्यवहार दर्शाते हैं।

23. पध्य (तुलसी के दोहे कवि का नाम : तुलसीदास)

1. मुखिया मुख सों चाहिए, खान पान को एक ।
पालै पोसै सकल अँग, तुलसी सहित विवेक ॥

2. जड़ चेतन, गुण-दोषमय, विस्व कीन्ह करतार ।
संत-हंस गुण गहहिं पय, परिहरि वारि विकार ॥

3. दया धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान ।
तुलसी दया न छाँडिये, जब लग घट में प्राण ॥

4. तुलसी साथी विपत्ति के विध्या विनय विवेक ।
साहस सुकृति सुसत्यव्रत राम भरोसो एक ॥

5. राम नाम मनि दीप धरु, जीह देहरी द्वार ।
तुलसी भीतर बाहिरौ, जो चाहसी उजियार ॥

24. पध्य (कवि का नाम : सोहनलाल द्विवेदी)

असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोडकर मत भागो तुम।
कुछ किए बिना ही जय-जयकार नहीं होती,
कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती।

25. पत्र

दिनांक : 25-01-2019

प्रेषक,

गोपाल,
दसवीं कक्षा,
सरकारी प्रौढ़शाला एल्लोडु,
चिक्कबल्लापुर ।

सेवा में,

प्रधानाध्यापक,
सरकारी प्रौढ़शाला एल्लोडु,
चिक्कबल्लापुर ।

आदरणीय महोदय,

विषय : तीन दिन की छुट्टी की प्रार्थना हेतु।

उपर्युक्त विषय के संबंध में आपसे निवेदन है कि दि: 27-09-19 से दि : 29-09-19 तक मुझे अपने भाई की शादी में भाग लेने के लिए मुझे बेंगलूरु जाना है, इसलिए मैं विध्यालय नहीं आ सकता। अत: आपसे प्रार्थना करता हूँ कि इन तीन दिनों की छुट्टी देने की कृपा करें।

धन्यवाद सहित,

अभिभावक के हस्ताक्षर आपका आज्ञाकारी छात्र (अ.ब.क)

26. निबंध इंटरनेट

<u>प्रस्तावना :</u> इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का, एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है। जिसकी वजह से पूरे विश्व का विस्तार एक गाँव का-सा छोटा हो गया है।

<u>लाभ :</u>1). कम समय में विचार, चित्र, वीडियो को भेज सकते हैं। 2). इंटरनेट-बैंकिंग द्वारा खरीदारी और बिल भर सकते हैं। 3).वीडियो कान्फरेन्स कर सकते हैं। 4). बेरोज़गारी मिटा सकते हैं। 5). सोशल नेटवर्किंग साइट्स का प्रयोग कर सकते हैं। 6). ई-गवर्नेन्स के माध्यम से पारदर्शी प्रशासन देख सकते हैं।

<u>हानी :</u> इंटरनेट की वजह से पैरसी, बैंकिंग फाड, हैकिंग तथा चैटिंग

<u>उपसंहार :</u> इंटरनेट एक वरदान है लेकिन सचेत होकर प्रयोग करें।

rkkarnatakahindi.blogspot.com